कोटा जंक्शन पर लिफ्ट एवं एस्केलेटर उद्घाटन कार्यक्रम में माननीय स्पीकर महोदय का सम्बोधन

---

1. आज हम सब यहाँ कोटा जंक्शन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार कार्यों के उद्घाटन के लिए एकत्रित हुए हैं। आप सब को मालूम है कि पिछले कुछ वर्षों में कोटा जंक्शन पर सुविधाओं में बहुत विस्तार हुआ है।आज हम प्लेटफ़ॉर्म नंबर 4 पर लिफ्ट और प्लेटफ़ॉर्म नंबर 1 पर एस्केलेटर का उद्घाटन करने जा रहे हैं।

2. हम कोटा रेलवे जंक्शन को वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनाने जा रहे हैं। आने वाले कुछ समय में कोटा रेलवे जंक्शन की बिल्डिंग के ऐतिहासिक स्वरूप को बरकरार रखते हुए उसे एक नया लुक दिया जाएगा। यहाँ नई लिफ्ट और एस्केलेटरकी संख्या बढ़ाई जाएगी। हमारे दिव्यांग भाई-बहिनों के लिए सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। ट्रेनों की सूचना देने के लिए आधुनिक सूचना बोर्ड और अत्याधुनिक कोच गाइडेंस सिस्टम भी लगाए जाएंगे।

3. साथियों, रेल में सुविधाओं के विकास और स्टेशनों पर उन्नत कामकाज से आम आदमी तक सुविधाएं बढ़ती हैं। रेलवे आमजनों के परिवहन का सस्ता, सुलभ और अब तो मैं कहूँगा कि समयबद्ध साधन है। रेल में हर वर्ग, हर समूह के लोग सफ़र करते हैं। अगर कोई एक जगह है जहाँ आपको पूरे भारत की विविधता की झलक देखनी हो तो आप रेल के सफ़र में देख सकते हैं।

4. रेल में बैठकर आप कोटा से कन्याकुमारी जाइए, जगन्नाथ पुरी जाइए, यहाँ से कश्मीर जाइए, रामेश्वरम जाइए,....बीच में जितने भी राज्य पड़ेंगे आप उन सभी राज्यों की संस्कृति को समझेंगे, वहाँ की परंपरा और लोगों से आपका परिचय होगा। इसलिए मैं रेल को सिर्फ़ यात्रा करने का साधन नहीं मानता हूँ, बल्कि भारत की संस्कृति का दर्शन करवाने वाला माध्यम मानता हूँ जो हमारी साझा संस्कृतियों के बीच सेतु की तरह काम करती है।

5. प्रिय साथियों, किसी भी देश या प्रदेश में कनेक्टिविटी का माध्यम जितना उन्नत होगा, वह देश और प्रांत उसी हिसाब से तरक्की करता है। हमारी रेल और रेलवे स्टेशन जितने अत्याधुनिक, जितने सुविधायुक्त होंगे मैं समझता हूँ कि उतना ही हमारा पर्यटन, हमारी अर्थव्यवस्था का विकास होता है, उतनी ही उन्नति होती है।

6. कोटा शहर आज देशभर में शिक्षा नगरी के रूप में जाना जाता है। आईआईटी और मेडिकल की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए कोटा एजुकेशन हब है। भारत का आप कोई भी राज्य ले लीजिए, हर राज्य के स्टूडेंट हमारे कोटा में पढ़ते हैं। इन स्टूडेंट्स से कोटा की खास पहचान पूरे देश में बनी हुई है।

7. ऐसे में जब हमारे स्टेशन पर सुविधाएं अधिक विकसित होंगी तो यहाँ आने जाने वाले स्टूडेंट्स, उनके माता-पिता, रिश्तेदार और आम लोगों के लिए भी कोटा का अनुभव यादगार रहेगा।

8. आप एक चीज़ सोचकर देखिए। अगर रेलवे के माध्यम से देश के अधिकतर शहरों से कोटा को डायरेक्ट जोड़ दिया जाए तब!!तब उन शहरों के स्टूडेंट्स यहाँ आने के लिए अधिक प्रेरित होंगे और यहाँ स्टूडेंट्स की संख्या और अधिक बढ़ेगी। कोटा का संपर्क देश के अधिक से अधिक ज़िलों से किया जाए, हम इस पर काम कर रहे हैं।

9. अभी चार-पाँच महीने पहले की बात है हमने सोगरिया के नए विकसित रेलवे स्टेशन का लोकार्पण भी किया था। इससे यह प्रभाव पड़ा कि जंक्शन पर यात्रियों का भार कम हुआ है। कोटा में स्टेशन की संख्या बढ़ी तो यात्रियों को अधिक आसानी हुई, इससे उनका अनुभव बेहतर हुआ। इसी के साथ कोटा की जनता को मेमू ट्रेन की सोगात मिलने से स्थानीय रेल यात्रियों को बहुत सुविधा हुई है। मेमू ट्रेन के संचालन से दैनिक यात्रियों, नगर निवासियों, ग्रामीणों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, किसानों, मजदूरों के साथ-साथ नौकरी पेशा करने वाले सभी व्यक्तियों के लिए आवागमन का बेहतर साधन उपलब्ध हुआ है।

10. इसी साल जनवरी में हमने करीब साढ़े 7 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले यूथ हॉस्टल का भी शिलान्यास किया था। इसके बाद कई समाजों ने अपनी तरफ़ से छात्रावासों और सामुदायिक भवनों का निर्माण करना शुरू किया है। मैं उन शिलान्यास कार्यक्रमों में शामिल हुआ हूँ। मेरा यही कहना है कि ये छात्रावास काबिल विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए बहुत आवश्यक होते हैं। दूर-दराज के स्टूडेंट्स कोटा आकर इन छात्रावासों में ठहर सकते हैं। यहाँ से अपनी पढ़ाई कर सकते हैं, अपने सपने पूरे कर सकते हैं। हमारे युवाओं की इस तरक्की के साथ-साथ देश की उन्नति भी सुनिश्चित होती है।

11. मित्रों, कोटा शिक्षा नगरी के नाम से तो प्रसिद्ध है ही, इसके साथ ही हमारे कोटा में कई दूसरे क्षेत्रों में भी अपार संभावनाएं हैं। कोटा में एशिया की सबसे बड़ी कृषि उपज मंडी है। इसलिए यह कृषि उपज के विपणन का भी बड़ा केंद्र है। कोटा इस संभाग का मुख्यालय भी है। कोटा औद्योगिक-व्यापारिक केंद्र भी है।

12. आज मैं देखता हूँ कि कोटा के युवा, यहाँ के बच्चे पढ़ाई-लिखाई के साथ जीवन के कई क्षेत्रों में अपना नाम कर रहे हैं। आज खेल, कला, विज्ञान और व्यापार में कोटा के युवाओं ने अपनी खास पहचान बनाई है। स्टार्ट-अप योजनाओं में कोटा के युवाओं का दिमाग काम कर रहा है। अपनी प्रतिभा से हमारे नगर के स्टूडेंट्स खेती-बाड़ी से लेकर बिजनेस में नए नवाचार कर रहे हैं।

13. स्वयं की उन्नति के साथ अपने समाज, देश और प्रदेश की प्रगति के लिए भी कोटा वासियों ने बड़ा काम किया है। देश-समाज की सेवा हो या मानवता की सेवा, कोटा शहर के लोग हमेशा तैयार रहे हैं।

14. कोरोना महामारी के बीच की मुझे एक कहानी याद आती है, जब कोटा के एक व्यापारी ने दिल्ली के विशेषज्ञों की टीम की मदद से अपनी फैक्ट्री को कुछ ही दिनों में ऑक्सीजन प्लांट में बदल दिया था। मैंने पढ़ा था कि उस युवा ने अपने व्यवसाय को एक तरफ कर जन सेवा के लिए अपनी फैक्ट्री को ऑक्सीजन प्लांट बना दिया था। वो ऑक्सीजन प्लांट उन्होंने कोटा ज़िला प्रशासन को सौंप दिया था, ताकि ऑक्सीजन जरूरतमंदों के काम आ सके। ऐसे ही बहुत से उदाहरण कोटा के गाँव-कस्बों में मिलते हैं।

15. साथियों, कोटा आज रेल और रोड कनेक्टिविटी के मामले में राजस्थान के अग्रणी ज़िलों में आता है। इस कनेक्टिविटी के कारण यहां काफी उद्योग आए हैं।

16. अच्छी कनेक्टिविटी के कारण यहां का व्यापारी फला-फूला, यहां का किसान समृद्ध हुआ है। अच्छी कनेक्टिविटी के कारण यहां बहुत से लोग रोजगार की तलाश में आए और यहीं बस गए। हम इस कनेक्टिविटी को निरंतर बेहतर बनाने के प्रयास जारी रखे हुए हैं।

17. माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार का लक्ष्य है कि नई दिल्ली से मुंबई के बीच 160 किमी प्रति घंटा की गति से ट्रेन चलाई जाए। इसके लिए पटरियों को बदलने और रेलवे ट्रेक के दोनों ओर बाउंड्रीवाल बनाने का काम किया जा रहा है।

18. जल्द ही कोटा से दिल्ली और कोटा से मुंबई की कनेक्टिविटी और अधिक बेहतर होगी। इसके बाद कोटा से दिल्ली पहुंचने में तीन-साढ़े तीन घंटे और मुम्बई पहुंचने में 8 से 10 घंटे का समय लगेगा।

19. कोटा से दिल्ली के लिए सड़क मार्ग भी जल्द ही अधिक सुरक्षित और अधिक समय बचाने वाला होगा। कोटा से दिल्ली के लिए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे का निर्माण अगले साल में पूरा हो जाएगा। जिसके बाद सड़क मार्ग से कोटा से दिल्ली की दूरी महज 4 घंटे की रह जाएगी। कोटा से मुंबई आप 10 घंटे में पहुँच जाएंगे। सूरत, बड़ौदा, इंदौर, जयपुर जैसे बड़े शहर भी अभी से कम समय में पहुँचा जा सकेगा।

20. दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रीयलकॉरिडोर का काम भी तेजी से चल रहा है। इस कॉरिडोर का सबसे बड़ा हिस्सा राजस्थान में ही है। यह औद्योगिक गलियारा भी विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। इस कॉरिडोर से कोटा

संभाग को भी बड़ा लाभ मिलेगा। हमारा प्रयास है कि कोटा में रेल, रोड कनेक्टिविटी और बढ़े जिससे पूरे संभाग के नागरिक और अधिक समृद्ध हो सकें।

21. आप कल्पना कीजिए कि जब हमारे सामूहिक और निरंतर प्रयासों से हमारीरोड कनेक्टिविटी और अधिक बढ़िया हो जाएगी, हमारी रेल कनेक्टिविटीउन्नत हो जाएगी और जब आने वाले समय में कोटा में एयरपोर्ट भी बनकर तैयार हो जाएगा, तब यह कोटा संभाग देश के मानचित्र में सबसे विकसित, सबसे उन्नत क्षेत्रों में से एक होगा।

22. कोटा में शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सड़क, परिवहन रेलवे के विकास के लिए मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध हूँ। यहाँ के हरेक व्यक्ति की समस्याओं का समाधान कर पाऊँ, हर एक जरुरतमन्द के काम आ पाऊँ, इसके लिए मेरा प्रयास रहता है। मेरा सपना है कि आज देश और दुनिया के बड़े से बड़े शहर में जो सुविधा मिलती हो, वो सुविधा कोटा में भी मिल सके। यहाँ बड़े उच्च शिक्षण संस्थान हो, यहाँ की स्वास्थ्य सेवाएं बहुत उन्नत और आधुनिक हो, कोटा में एयरपोर्ट का जल्द निर्माण हो, ऐसे कई काम है; जिनके लिए मैं लगातार प्रयास कर रहा हूँ।

23. मुझे पूरा यकीन है कि हमारे सबके प्रयासों से कोटा की समृद्धि दिन दोगुनी-रात चौगुनी की रफ्तार से बढ़ती रहेगी।

24. आप सबका साथ और आशीर्वाद मुझे मिलता रहे। आप सभी को नमस्कार करता हूँ। मैं रेल मंत्रालय के माननीय मंत्री महोदय और अधिकारियों को भी धन्यवाद करता हूँ।

धन्यवाद, जय हिन्द।